मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHD–18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि [एम. ए. (हिन्दी)]

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम. एच. डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. दलित साहित्य के प्रयोजन एवं सरोकारों की विवेचना कीजिए। 10

2. जाति प्रथा के उन्मूलन हेतु डॉ. अम्बेडकर द्वारा सुझाए गए विचारों की समीक्षा कीजिए। 10

3. ज्योतिबा फुले के नारी उत्थान एवं स्त्री शिक्षा सम्बन्धी योगदान की विवेचना कीजिए। 10

4. निराला के लेखन में अभिव्यक्त दलित संवेदना पर प्रकाश डालिए। 10

5. नारायण गुरु के चिंतन में स्त्री-मुक्ति-चेतना की विवेचना कीजिए। 10

6. दलित चिंतन के वैचारिक और दार्शनिक स्वरूप पर प्रकाश डालिए। 10

7. डॉ. अम्बेडकर के नारी सम्बन्धी चिंतन की विवेचना कीजिए। 10

8. दलित आत्मकथाओं के साहित्यिक अवदान पर प्रकाश डालिए। 10

9. पेरियार के आत्म-सम्मान आंदोलन की समीक्षा कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2\times5=10$

(क) 'हरिजन गाथा'

(ख) दलित चेतना

(ग) प्रेमचंद की दलित संवेदना

(घ) 'सत्यशोधक समाज'

× × × × ×